400-1600 ए. डी. तक मसीहत का फैलना

जो बच्चो को पढ़ाते हैं वह एच 4 बी 2 का अध्ययन करें।

1. **अपने शिष्य वृन्द को प्राचीन इतिहास की मसीहत के बारे में पढ़ाने के लिए प्रार्थना द्वारा अपने को तैयार करें।**

प्रार्थना: प्रभु यीशु, हमें इतिहास के द्वारा सीखने में मदद कीजिए कि आपने मनुष्यो और राज्यो को कैसे आशिषत किया।

प्रेरितो के काम 19:11-28 में ढूंढे कि जब मसीहत का मूर्तिपूजक समाज से टकराव हुआ तो क्या हुआ।

- प्रभु ने यीशु को प्रतिष्ठा देने के लिए क्या किया *(देखे पद 11-12)*
- जब अविश्वासी यीशु के नाम से दुष्टात्माओ को निकालने का प्रयत्न करते थे तो क्या हुआ *(13-17)*
- विश्वासि जो जादू के काम करने वाले से उन्हे क्या करना होगा *(18-20)*
- मूर्तिपूजक और धर्मिक लोग क्या करना चाहते थे *(21-28)*

मसीहत 400-800 ए. डी. तक

जब एशियाई पश्चिम की ओर बढ़ने लगा तो मूर्तिपूजक समाज ने रोमन साम्राज्य पर हमला कर दिया और कमजोर बना दिया। इससे मसीहत पर काफी असर हुआ:

- मूर्तिपूजकों ने शुभ सन्देश के विषय में सीखा और विश्वासी बन गए।
- कलिसिया नहीं पर बहुत से मठ विश्वासी केन्द्र बन गए।
- आयरलैण्ड में छोटे समूह ने मठ शुरू करके मसीह धर्म का प्रचार यूरोप में शुरू किया।
- छोटे समूह ने लिखना पढ़ना सिखाया, बाइबल का अनुवाद तथा अन्य पुस्तकों का भी अनुवाद किया।
- मसीह समाज दक्षिण एशिया में शुरू हुआ।
- मसीहत के विद्वान मनुष्यों ने मध्य एशिया में मठ-स्कूल स्थापित किए।
- मण्डली के विद्वान मसीहियों को चीन में 845 ए. डी. तक बड़ी सफलता मिली।
- रोमी राजा चार्लेमेगने ने मसीहत को आठवी शताब्दी में बहुत बढ़ाया।

मत्ति 24:6-14 में यीशु ने अपने चेलो से किन किन कठिनाइयो का सामना होने को कहा था, पढ़िए।

- देशों के बीच में क्या होगा। *(देखे पद 6-7)*
- राज्यों में यीशु के चेलो के साथ क्या होगा। *(9)*
- बहुत से लोग जिन्होने मसीहत के बारे में सुना वो क्या करेंगें। *(10)*
- क्या वजह थी कि लोग अलग होगें। *(11-12)*
- उस समय यीशु के प्रिय चेलों के क्या करना होगा। *(13)*
- और सुसमाचार का क्या होगा। *(14)*

मसीहत 800 से 1200 ए. डी. तक

उत्तर से वाइकिंग ने यूरोप पर आक्रमण करके खज़ाने को लूटा। सारे मठ उसने तोड़ दिए। बाद में इस्लाम ने एशिया और यूरोप पर आक्रमण किया। इनसे मसीहत पर काफी प्रभाव पड़ा:

- वाइकिंग बहुत से मसीहियों को बन्दी बनाकर ले गया और उनसे सुसमाचार सीखा।

- मसीहत फिर यूरोप द्वारा फैलनी शुरू हुई।
- बहुत से राजा तथा लोगों के समूह ईसाई बन गए, कम से कम नाम में।
- मसीहत यूरोप की अपेक्षा एशिया में बहुत फैली।
- इस्लाम ने थोड़े समय के लिए मसीहत को सहन किया, लेकिन आज तक इसको बुरी तरह दबा दिया।

संक्षिप्त लेख: विद्वान मसीह प्रभावशाली धर्मप्रचारक बने बहुत से एशियन लोगो तथा राज्यों के लिए, क्योंकि उन्होंने यह काम किए:

- बहुत से धार्मिक कार्यकर्ता आत्मनिर्भर व्यवसायी और सौदागर थे।
- वह दर्शन के लिए परमेश्वर पर भरोसा करते थे और अविश्वासियो को चमत्कार के द्वारा प्रभावित करते थे।
- उन्होंने शिक्षण और चिकित्सा केन्द्र स्थापित किए।
- उन्होंने खतरनाक स्थानो पर मठ स्थापित किए।
- वो चारवाहों तथा झुण्ड को लगातार प्रशिक्षण और दृष्टिदोष के विषय में बताते थे।

फिर भी उनका बहुत सा काम बाद में नष्ट कर दिया, क्योंकि

- उन्होंने बाइबल को स्थानिय भाषा में अनुवाद नहीं किया।
- उन्होंने स्थानिय लोगों को कलिसिया में अगुवाई नहीं दी।
- उन्होंने स्थानिय मसीहियों को उनके रीति रिवाज के अनुसार प्रार्थना नहीं करने दी।
- साधारण कलिसिया के लोग जो धन और शक्ति चाहते थे, उन्होंने धर्म परिवर्तन नहीं किया।

मसीहत 1200से 1600 ए. डी. तक

यूरोप और एशिया के मसीह अगुवो ने बाइबल के अनुवाद की आज्ञा नहीं दी। न ही साधारण व्यक्ति को बाइबल पढ़ने की और न ही आज्ञाओ को मानने की अनुमति थी। इसका मसीहत पर बुरा असर पड़ा।

- राजाओं और पोप ने धर्म को राजनीति से मिलाकर अपनी शक्ति और पैसे को बढ़ाया।
- 1095 से 1350 के बीच यूरोपियन ने मुस्लिम, यहूदी और एशिया के मसीहियों के विरूद्ध धर्म युद्ध कर दिया, बहुत को मार कर उनकी जमीने हड़प ली।
- युद्ध में हार के पश्चात् बहुत से मध्य एशिया के लोगों ने इस्लाम धर्म अपना लिया।
- 1368 ए. डी. से मिंग वंश ने मण्डली के विद्वान मसीहियों का चीन से मिटा कर दिया।
- मुस्लिम राजाधिराज तैमुरलँग (1336-1405) ने एशिया से बहुत से मसीहियों को मिटा दिया।
- फ्रासँ और डमिलिकी मसीह लोगों ने शान्तिपूर्वक ढंग से मुस्लिमों के बीच धर्म प्रचार का काम किया।

2. अपने सहायक के साथ मिलकर आने वाले सप्ताह के कार्यक्रमों को तैयार करो।

एक साथ मिलकर भाग एक का अध्ययन और सक्षिप्त लेख पढ़े कि मसीहियों को क्या काम करने चाहिए। उपाय कीजिए कि आप और विश्वासी समान कार्य अपनी जाति में कैसे कर सकते हो।

अपने नए चरवाहे से मिले जिसे आपने कलिसिया के इतिहास के विषय में इस अध्ययन या दूसरे विषय के द्वारा पढ़ाया और प्रशिक्षण दिया। प्रयोग कीजिए पी. टी. एल. टी.।

3. अपने सहयोगी के साथ आने वाली प्रार्थनाओ की योजना बनाओ:

विश्वासी वचन में से पढ़े जो भाग एक में है कि प्रेरितो ने कैसे यीशु के सुसमाचार का प्रचार किया।

चार सौ वर्षो के मध्य विश्वासी किस तरह यीशु का सुसमाचार बाँटते थे, व्याख्या करो (1200 से 1600 ए. डी.)

विश्वासी गवाही दे कि अत्याचार के समय प्रभु ने कैसे उनकी सहायता की ताकि वह सच्चे मन से उससे जुड़े रहे।

बच्चे नाटक प्रस्तुत करें जो उन्होंने तैयार किया है।

प्रभु के अन्तिम भोज के लिए पढ़े प्रकाशितवाक्य 20:4 और संक्षेप्त में व्याख्या करे कि यीशु अपने सत्य के लिए प्राण त्यागने वाला था और जो उसके लिए मरेगे उसके साथ राज्य में प्रवेश करेंगें।

मत्ति 10:32 याद करें

दो या तीन के छोटे समूह इकटठा हो उपाय और प्रार्थना में एक दूसरे को उत्साहित करें।

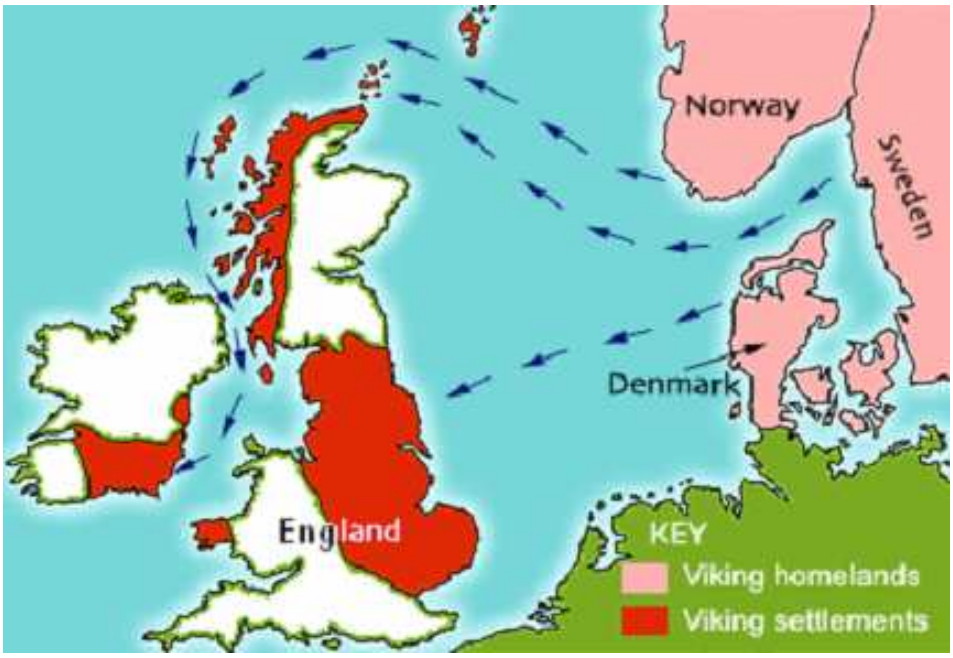

वाईकिंग आक्रमणकारीयो ने बहुत से यूरोपियन मसीहियों को उजाड़ दिया फिर भी बाद में बहुत से वाइकिंगो ने मसीहत को अपनाया।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net